आइआइटी कानपुर में बनेगा डिफेंस हब

यूपी डिफेंस कॉरिडोर के तहत नए स्टार्टअप को मिलेगा मौका, मैटीरियल्स, साइबर सिक्योरिटी, ईसी व यूएवी पर होगा शोध

जागरण संवाददाता, कानपुर : सेना के लिए सैन्य तकनीक विकसित करने के लिए आइआइटी कानपुर में डिफेंस हब बनेगा। इसका खाका तैयार कर लिया गया है। सेना के उच्चाधिकारी इसका अध्ययन कर रहे हैं। यहां पर स्थापित सिडबी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर, टेक्नोपार्क व डिफेंस के क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप के कारण संस्थान को चुना गया है।

यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी

शनिवार को उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के सीईओ अवनीश अवस्थी ने आइआइटी निदेशक प्रो. अभय करंदीकर, डीआरडीओ के अधिकारी व उद्यमियों के साथ बैठक कर परियोजना के

आइआइटी में आयोजित डिफेंस कॉरिडोर कॉन्क्लेव में उपस्थित अधिकारी, प्रोफेसर व छात्र

बारे में बताया। डिफेंस कॉरिडोर के लिए आइआइटी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया गया है। अभी तक भारत जिन उपकरणों के लिए विदेशों का मुंह देखता था अब वह मेक इन इंडिया होंगे। छोटे बड़े सभी सैन्य उपकरणों के पार्ट्स आने वाले समय में यहीं पर बनेंगे। डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत इनोवेशन सेंटर व स्टार्टअप के लिए सरकार की ओर से दो करोड़ रुपये की पहली किस्त आइआइटी को दी जा चुकी है। साथ ही आइआइटी कानपुर व आइआइटी बीएचयू को प्रदेश सरकार ने टेक्निकल पार्टनर बनाया है। आइआइटी कानपुर में मैटीरियल्स, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन व अनमेंड एयर व्हीकल (यूएवी) के क्षेत्र में शोध कार्य किया जाएगा। जिनका प्रमुख रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. संदीप वर्मा, कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. संदीप शुक्ला, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. योगेश चौहान व एयरोस्पेस साइंस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. एके घोष को नियुक्त किया गया है। प्रोजेक्ट के प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर उपनिदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल हैं।

आइआइटी व आइआइएससी के प्रोफेसर व छात्र बने सहयोगी:डीआरडीओ (डीआइएसबी) की निदेशक डॉ. चंद्रिका कौशिक ने बताया कि आर्टिफिशियल सर्विलांस व सैन्य उपकरण बनाने के क्षेत्र में शोध कार्य करने में आइआइटी, आइआइएससी, सीएसआइआर व विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर व छात्र भी सहयोगी हैं। आधुनिक तकनीक विकसित करने के लिए उनसे अपेक्षाएं हैं।

डिफेंस स्टार्टअप के लिए खुले इंक्यूबेशन सेंटर के दरवाजे

निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने बताया कि डिफेंस स्टार्टअप के क्षेत्र में काम करने वाले आइआइटी की प्रयोगशालाओं व इंक्यूबेशन सेंटर का उपयोग कर सकेंगे। इसके तहत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनकर तैयार हो गया है।

कानपुर देहात में तलाशी जा रही जमीन

यूपीडा के सीईओ ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के लिए कानपुर देहात में जमीन तलाशी जा रही है। झांसी में 600 हेक्टेयर व चित्रकूट में 50 हेक्टेयर जमीन खरीदी जा चुकी है। अलीगढ़, आगरा व लखनऊ में भी कॉरिडोर स्थापित किया जाएगा।

सीईओ अवनीश अवस्थी

डिफेंस कॉरीडोर : नये आइडिया के साथ छोटी-बड़ी ईकाइयों को मौका

4 महीने में कानपुर देहात में शुरू होगी जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया

प्रो. अभय करंदीकर

कानपुर, 4 मई। आईआईटी कानपुर कैंपस के आईएमई बिल्डिंग में आयोजित बुन्देलखण्ड डिफेंस कॉरीडोर कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए यूपीएडा, सीईओ अवनीश अवस्थी ने आज कहाकि डिफेंस क्षेत्र में तकनीक, उत्पादों के सहयोग, निर्माण और व्यवसायीकरण के साथ उद्योगों को बढावा देंगे। इसके साथ ही स्टार्टअप के साथ नई आडिया के साथ ही अन्य

झांसी में 600 और चित्रकूट में 50 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण हुआ

डिफेंस फैक्ट्री लगाने में तकनीक सहयोग के साथ वित्तीय सहयोग भी दिया जाएगा। आईआईटी के सेटर एक्सीलेंस इन डिफेंस टेक्नोलाजिस के सहयोग से छोटी-बड़ी इकाईयों को उत्पादों के रिसर्च, डेवलेपमेंट के साथ निवेश में भी पूर्ण मदद दी जायेगी। वहीं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे (लखनऊ से गाजीपुर) 340 किलोमीटर लंबा है और 10 फीसदी कार्य भी पूरा हो गया। उन्होंने बताया कि बुन्देलखण्ड डिफेंस कॉरीडोर अलीगढ़, आगरा, झांसी, कानपुर, लखनऊ और चित्रकूट जिलों से गुजर रहा है जिसमें झांसी में 600 हेक्टेयर

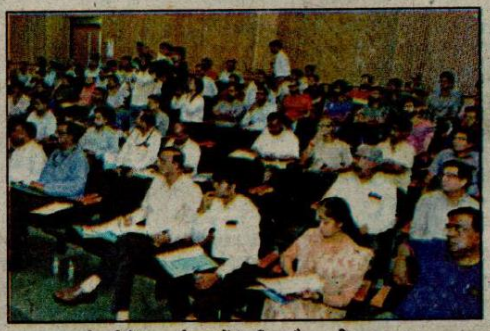

आईआईटी : कार्यक्रम में शामिल फैकल्टी व सदस्य।

और चित्रकूट में 50 हेक्टेयर जमीन भी अधिग्रहण कर ली गई है। इसके साथ ही कानपुर देहात के आसपास भी जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया चल रही है जो अगले 3-4 महीने में पूरी कर ली जाएगा। कानपुर देहात क्षेत्र में डिफेंस कारीडोर के लिए कितनी और कहां जगह चाहिये। इस प्रोजेक्ट भी काम चल रहा है। डिफेंस सेक्टर में 3

आईआईटी में सेंटर आफ एक्सीलेंस से तकनीक, उत्पादों पर रिसर्च

कंपनियां आ गई है और 6 से 7 कंपनियां भी जल्द आ जाएगी। आईआईटी कानपुर, निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने कहाकि आईआईटी नॉलेज पार्टनर के साथ तकनीकी सहयोग देगा। 2 करोड़ के फंड से सेंटर आफ एक्सीलेंस इन डिफेंस टेक्नोलाजी स्थापित किया जा रहा है जिसके तहत नई आइडिया के साथ डिफेंस उत्पादों पर रिसर्च, गुणवत्ता में मदद भी करेगा। सवाल-जवाब भी किये गये। इस दौरान डिप्टी डायरेक्टर प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल, डीआईएसबी, निदेशक मिसेस चंद्रिका कौशिक, प्रो. ए. बंदोउपाध्याय, प्रो. अविनाश के. अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

Defence corridor conclave conducted at IIT-K

Kanpur: The centre of excellence in defence technologies, on Saturday, conducted Defence corridor conclave at IIT-Kanpur.

The Institute invited industries from across the country to collaborate, create and commercialize new technologies and products in the defence sector.

A platform was created to foster partnership between IIT Kanpur's incubator and newly opened science and research park - Technopark@iitk. The conclave was attended by Awanish Awasthi, CEO of Uttar Pradesh Expressways Industrial Development Authority (UPEIDA), Chandrika Kaushik, director DISB.